**ªÉÆÃftÂ ¸É¸ï ¥sÉÊ¯ïUÀ¼ÀÄ**

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **PÀæ. ¸ÀA** | **«µÀAiÀÄ ªÀ» £ÀA§gï**  **ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï** | **UÁæªÀÄ** | **¸ÀªÉð £ÀA.** | **µÀgÀ** |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï100/21-22 | f.Dgï. ºÀ½î | 110 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï35/21-22 | N§tÚºÀ½î | 8 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï21-22 | JA.PÉ. ºÀnÖ | 55 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï38/22-23 | eÉ.J£ï.PÉÆÃmÉ | 231/2 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï156/21-22 | C£ÉßÃºÁ¼ï | 14 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï23/22-23 | ªÉÄzÉºÀ½î | 90/1J |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï36/22-23 | ªÉÄzÉºÀ½î | 90/1J |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï48/22-23 | zÀ¼ÀªÁ¬ÄºÀ½î | 33/1J,1© |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï132/20-21 | zÀ¼ÀªÁ¬ÄºÀ½î | 31 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï154/21-22 | CwÛPÀmÉÖ | 10 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï154/21-22 | ¥À®èªÀUÉgÉ | 10 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï28/21-22 | PÀ¯ÉèÃ£ÀºÀ½î | 16 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï | zÁåªÀÄªÀé£ÀºÀ½î | 231/1, 23/2 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï196/21-22 | AiÀÄgÉÃºÀ½î | 27 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï167/21-22 | EAUÀ¼ÀzÁ¼ï | 46/3J |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï110/20-21 | eÉ.J£ï. PÉÆÃmÉ | 31/2 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï207/22-23 | EAUÀ¼ÀzÁ¼ï | 83/2 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï30/21-22 | ¸ÉÆAqÉPÉÆ¼À | 82 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï188/21-22 | eÉ.J£ï. PÉÆÃmÉ | 314/1,3 |  |
| vÁ®ÆèPÀÄ ¨sÀÆªÀiÁ¥ÀPÀjUÉ | | | | |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï134/20-21 | ¸ÉÆAqÉPÉÆ¼À | 134/3J,3© |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï21-22 | ¸ÀdÓ£ÀPÉgÉ | 94 |  |
| J.r.J¯ï.Dgï. UÉ | | | | |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï96/22-23 Dgï.Dgï.n 22, 18/21-22 |  |  |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï | zÁåªÀÄªÀé£ÀºÀ½î | 458/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï132/22-23 | UÉÆqÀ§£ÀºÁ¼ï | 251/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï183/22-23 | vÉÆÃ¥ÀÄgÀªÀiÁ½UÉ | 79/1, 79/3, | JrJ¯ïDgï |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï53/20-21 | ¥ÀAqÀgÀºÀ½î | 90/1¦3 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï59/22-23 | UÉÆÃqÀ§£ÀºÁ¼ï | 119/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï63/20-21 | f.Dgï. ºÀ½î | 267/4 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï127/20-21 | UÉÆÃ£ÀÆgÀÄ | 12 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï190/22-23 | zÁåªÀÄªÀé£ÀºÀ½î | 332/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï135/20-21 | zÁåªÀÄªÀé£ÀºÀ½î | 179/1,2 \*\*\*\* |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï27,118/22-23 | ¥ÀAqÀgÀºÀ½î | 117/1,3,6 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï39/21-22 | zÁåªÀÄªÀé£ÀºÀ½î | 109 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï25/21-22 | C£ÉßÃºÁ¼ï | 48 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï106/22-23 | zÉÆqÁØ¥ÀÄgÀ | 104 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï | vÉÆÃ¥ÀÄgÀªÀiÁ½UÉ | 244/1,2 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï63/20-21 | f.Dgï ºÀ½î | 267/4 |  |
| J.¹ AiÀÄªÀjUÉ | | | | |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï22/21-22 | f.Dgï ºÀ½î | 110 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï165/22-23 | UÉÆÃ£ÀÆgÀÄ | 12(12/1J) |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï176/12/21-22 | PÀ¯ÉèÃ£ÀºÀ½î | 13 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï124/22-23 | ªÀiÁ£ÀAV | 34/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï152/21-22 | avÀæzÀÄUÀð | 108 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï4/22-23 | vÉÆÃ¥ÀÄgÀªÀiÁ½UÉ | 629/2 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï111/21-22 | ¥À®èªÀUÉgÉ | 13 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï151/22-23 | EAUÀ¼ÀzÁ¼ï | 29/1J |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï205/22-23 | PÉ¼ÀUÉÆÃmÉ | 82/2 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï164/21-22 | r.J¸ï.ºÀ½î | 258/3 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï169/22-23 | f.Dgï ºÀ½î | 323(©) |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï28/21-22 | ¸ÉÆAqÉPÉÆ¼À | 21 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï115/22-23 | ªÀÄºÁzÉÃªÀ£ÀPÀmÉÖ | 63/3 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï170/22-23 | f.Dgï. ºÀ½î | 324 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï07/21-22 | eÉ.J£ï PÉÆÃmÉ | 329 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï194/21-22 | UÉÆÃ£ÀÆgÀÄ | 11 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï98/21-22 | ªÉÄzÉºÀ½î | 55/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï198/22-23 | avÀæzÀÄUÀð | 55/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï56/22-23 | ¹zÁÝ¥ÀÄgÀ | 2/9,J |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï75/22-23 | ¸ÀdÓ£ÀPÉgÉ | 383 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï16/21-22 | JA.PÉ ºÀnÖ | 57 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï170/20-21 | ªÀÄzÀPÀj¥ÀÄgÀ | 49/1©1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï170/21-22 | C£ÉßºÁ¼ï | 16 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï170/21-22 | vÀªÀÄlPÀ®Äè | 62 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï44/22-23 | ¹zÁÝ¥ÀÄgÀ | 2/9 J |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï19/21-22 144/22-23 | ¸ÉÆAqÉPÉÆ¼À | 96 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï172/22-23 | UÉÆqÀ§£ÀºÁ¼ï | 251 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï131/20-21 | ªÀiÁ£ÀAV | 79 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï8/23-24 | f.Dgï ºÀ½î | 553/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï98/21-22 | ªÉÄzÉºÀ½î | 55/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï42/21-22  139/22-23 | PÉ£ÉßºÀqÀÄè | 34 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.DgïDgï.Dgï.n 24/23-24 | ¸ÀdÓ£ÀPÉgÉ | 100 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.DgïªÉÆÃftÂ 206/21-22 | ªÀÄzÀPÀj¥ÀÄgÀ | 38 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï58/23-24 | PÀ¯ÉèÃ£ÀºÀ½î | 7 | ¨sÀÆ«ÄUÉ |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï161/22-23 | AiÀÄgÉÃºÀ½î | 11/6 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï26/21-22 | PÀ¯ÉèÃºÀ½î | 6 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï169/21-22 | ¸ÉÆAqÉPÉÆ¼À | 84/J |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï163/21-22 | r.J¸ï. ºÀ½î | 703 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï26/21-22 | eÉ.J£ï PÉÆÃmÉ | 37 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï116/22-23 | ªÀÄzÀPÀj¥ÀÄgÀ | 147/3 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï204/22-23 | zÁåªÀÄªÀé£ÀºÀ½î | 96/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï53/23-24 | zÁåªÀÄªÀé£ÀºÀ½î | 29 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï27/23-24 | zÁåªÀÄªÀé£ÀºÀ½î | 524/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï 63/20-21 | f.Dgï.ºÀ½î | 267/4 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï 194/21-22 | UÉÆÃ£ÀÆgÀÄ | 11 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï -/19-20 | PÉ£ÉßºÀqÀ®Ä | 6/1, 6/2 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï 2/20-21 | ªÀÄzÀPÀj¥ÀÄgÀ | 26/1 |  |
|  | ªÉÆÃftÂ ¹.Dgï 107/17-18 | ªÀÄzÀPÀj¥ÀÄgÀ | 24/2J¦2 |  |
| ¥ÉÊQ ¥ÀºÀtÂ ¸É¸ï ¥sÉÊ¯ï | | | | |
|  | Dgï.Dgï.n ¥sÉÊ 85/22-23 | r.J¸ï. ºÀ½î | 638 |  |
|  | Dgï.Dgï.n ¥sÉÊ 23-24 | dUÀzÁ½¥ÀÄgÀ | 22 |  |
|  | 21/20-21 | f.Dgï ºÀ½î | 95,97, |  |
|  | 85/6/22-23 | zÁåªÀÄªÀé£ÀºÀ½î | 529/3©2 |  |
|  | 85/22-23 | f.Dgï ºÀ½î | 93 |  |
|  | 85/22-23 | r.J¸ï.ºÀ½î | 365/2 |  |
|  | 85/22-23 | UÉÆqÀ§£ÀºÁ¼ï | 236/2 |  |
|  | 85/22-23 | zÁåªÀÄªÀé£ÀºÀ½î | 98/1 |  |
|  | 85/22-23 | r.J¸ï. ºÀ½î | 4743 |  |

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| ¥sÀºÀtÂ PÁ®A **3** ªÀÄvÀÄÛ **9**gÀ ªÀåvÁå¸À | | | | |
|  | 94/23-24 | ZÉÆÃ¼ÀUÀlÖ | 10/2J1J1,1J191J1 |  |
|  | 373/2019-20 | PÀ¯ÉèÃ£ÀºÀ½î | 7 |  |
|  | 2223 | CUÀ¸À£ÀPÀ®Äè | 7 |  |
|  | 370/21-22 | eÉÆÃraPÉÌÃ£ÀºÀ½î | 41 |  |
|  | 3/22-23 | ZÉÆÃ¼ÀUÀlÖ | 6/4 |  |
|  | 22-23 | PÀ¯ÉèÃ£ÀºÀ½î | 7 |  |
|  | 371/2019-20 | ªÀÄzÀPÀj¥ÀÄgÀ | 8 |  |
|  | 286/21-22 | CUÀ¸À£ÀºÀ½î | 4/4©1 |  |
|  | 85/22-23 | vÉÆÃ¥ÀÄgÀªÀiÁ½UÉ | 96 |  |
|  | 22-23 | CUÀ¸À£ÀºÀ½î | 5/2J1J |  |
|  | 162/21-22 | JA.PÉ.ºÀ½î | 38/1 |  |

ªÉÄÃ®ÌAqÀ zÁR¯ÉUÀ¼ÀÄ PÀæªÀÄ ¸ÀASÉå 1 jAzÀ 100 gÀªÀgÉV£À zÁR¯ÉUÀ¼À£ÀÄß ²æÃ ©.JA gÀªÉÄÃ±ï gÀªÀgÀ ªÀ±ÀPÉÌ ¤ÃrgÀÄvÉÛÃ£É.

ªÉÄÃ®ÌAqÀ zÁR¯ÉUÀ¼ÀÄ PÀæªÀÄ ¸ÀASÉå 1 jAzÀ 100 gÀªÀgÉV£À zÁR¯ÉUÀ¼À£ÀÄß ²æÃ JA. gÀAUÀ£Áxï CªÀjAzÀ ¥ÀqÉ¢gÀÄvÉÛÃ£É.